गारमेंट के सबसे बड़े एक्सपोर्टर स्थापित करेंगे यूनिट

- गीडा में 30 से 40 एकड़ जमीन की प्रबंधन ने दी है डिमांड
- 300 करोड़ तक का निवेश कर सकती है शाही एक्सपोर्ट
- चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज ने सीएम योगी से प्रस्ताव पर की वार्ता

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।

रेडीमेड गारमेंट के सबसे बड़े एक्सपोर्टर में शुमार मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु बेस कंपनी शाही एक्सपोर्ट गीडा में यूनिट स्थापित कर सकता है। इसके लिए प्रबंधन को 30 से 40 एकड़ जमीन की दरकार है। कंपनी करीब 300 करोड़ का निवेश कर सकती है। पिछले दिनों चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल और विष्णु अजीतसरिया ने शाही एक्सपोर्ट की मंशा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी अवगत करा दिया है।

शाही एक्सपोर्ट देश में प्रमुख रेडीमेड गारमेंट एक्सपोर्टर में शुमार है। हर साल कंपनी की तरफ से 10 हजार करोड़ रुपये का रेडीमेड गारमेंट विभिन्न देशों में एक्सपोर्ट होता है। बांग्लादेश में अनिश्चितता की स्थिति को लेकर शाही एक्सपोर्ट यूनिट का विस्तार गोरखपुर में करना चाहता है। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल ने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने चैंबर के साथ गीडा के अधिकारियों से संपर्क किया है।

उन्हें बताया गया है कि पूर्वांचल के हुनरमंद कारीगर ही लुधियाना, मुंबई, नोएडा से लेकर सूरत तक काम करते हैं। उन्हें आकर्षक पैकेज मिलता है, तो वे घर वापसी कर सकते हैं। उद्यमी स्वीकारते हैं कि कोरोना के समय बड़ी संख्या में कारीगर वापस आए थे, लेकिन हुनर के हिसाब से दाम नहीं मिलने पर उनका दोबारा पलायन हो गया था। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष विष्णु अजीतसरिया का कहना है कि टेक्सटाइल सेक्टर में एक करोड़ के निवेश पर 10 लोगों को रोजगार मिलता है। ऐसे में रोजगार के दृष्टि से ऐसी यूनिटों की स्थापना बेहद जरूरी है। गीडा के पास लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ पर्याप्त लैंडबैंक है। पूरा प्रयास है कि बड़ी कंपनी गोरखपुर में आए।

बांग्लादेश में अस्थिरता से उम्मीदें

बांग्लादेश रेडीमेड गारमेंट को लेकर सबसे बड़ा निर्यातक है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से राजनीतिक अस्थिरता से भारत में रेडीमेड सेक्टर से जुड़े उद्यमी बेहतर की उम्मीद में हैं। शाही गारमेंट का पिछले कुछ महीनों में ऑर्डर बढ़ा है। कंपनी 50 से अधिक शहरों से ऑर्डर पूरा करने के लिए गारमेंट का निर्माण करा रही है। जिसमें 1 लाख से अधिक कारीगर काम कर रहे हैं। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल का कहना है कि शाही एक्सपोर्ट प्रबंधन की योजना 10 स्थानों पर यूनिट के विस्तार की है।